डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ. / 16 / 14

3 फ़रवरी 2018

गुजराती साहित्यकार श्री निरंजन एन. भगत के प्रति श्रद्धांजलि

गुजराती तथा अंग्रेज़ी भाषा के प्रसिद्ध कवि, आलोचक एवं कुशल अनुवादक श्री निरंजन एन. भगत का दिनांक 1 फरवरी 2018 को निधन हो गया। यह समाचार साहित्य जगत् के लिए अत्यंत कष्टकर है।

श्री निरंजन भगत का जन्म 18 अप्रैल 1926 को हुआ था। गाँधी युग के बाद बीसवीं सदी का पाँचवाँ दशक गुजराती काव्य–दृष्टि से युगांतकारी माना जाता है, जिसे साहित्य के इतिहास–लेखकों और समालोचकों ने "राजेंद्र–निरंजन" युग कहा है। गुजराती काव्य में नई चेतना, भावबोध और वैचारिक स्तर निर्मित करने वाले साहित्यकारों में श्री निरंजन भगत का नाम अग्रणी है।

आपकी कुछ प्रमुख काव्य कृतियों, यथा– *छंदोलय, किन्नरी, अल्पविराम, 33 काव्य;* तथा समालोचनात्मक कृतियों, यथा– *आधुनिक कविता, यंत्रविज्ञान अने मंत्रकविता, मीरा, स्वाध्यायलोक (8 खंड);* सहित अनूदित कृतियों यथा– *चित्रांगदा* (रवींद्रनाथ टैगोर की चित्रांगदा का अनुवाद), *द विज़न आफ़ वासवदत्ता* (भास के स्वप्नवासवदत्तम् का अनुवाद), *जॉब* (बाइबिल से 'द बुक आफ़ जॉब' का अनुवाद) तथा *अष्टपदी* (सेंट जॉन की 8 कविताओं का अनुवाद) आदि के कारण आपकी विशिष्ट ख्याति है। आपकी गुजराती भाषा की समालोचना कृति *गुजराती साहित्य : पूर्वार्ध–उत्तरार्ध* के लिए वर्ष 1999 में साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा आपको अनेक पुरस्कारों और सम्मानों से विभूषित किया गया था, जिनमें कुछ प्रमुख हैं– नर्मद सुवर्ण चंद्रक, कुमार चंद्रक, रंजीतराम सुवर्ण चंद्रक, प्रेमानंद सुवर्ण चंद्रक, सच्चिदानंद सम्मान तथा नरसी मेहता अवार्ड आदि।

आपने अहमदाबाद के सेंट जेवियर कॉलेज में अंग्रेज़ी के प्रोफेसर तथा अनेक प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्थाओं के अध्यक्ष एवं सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएँ दी थीं। आप 1978 से 1982 तक साहित्य अकादेमी की सामान्य परिषद् के सम्मानित सदस्य भी रहे थे।

अपने दीर्घ रचनात्मक जीवन से श्री निरंजन भगत ने भारतीय साहित्य को समृद्ध किया है। श्री निरंजन भगत के निधन से भारतीय साहित्य को अपूर्णीय क्षति हुई है।

साहित्य अकादेमी परिवार की ओर से श्री निरंजन भगत की स्मृति को नमन और विनम्र श्रद्धांजलि समर्पित है।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in